येस बैंक के शेयरों पर लटकी तलवार

लेनदारों के लिए लॉक इन अवधि करीब, पैसिव ट्रैकर 6.7 करोड़ जबकि वैयक्तिक निवेशक 1.35 अरब शेयर बेचेंगे!

समी मोडक
मुंबई, 7 मार्च

येस बैंक के शेयरों में गिरावट का दबाव नजर आ सकता है क्योंकि 13 मार्च को लॉक इन अवधि समाप्त होने के बाद एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) और वैयक्तिक निवेशक इससे निवेश निकासी कर सकते हैं।

इन निवेशकों के पास पुनर्गठन योजना के पहले से ही शेयर हैं, जिसके तहत मौजूदा निवेशकों के शेयरों के 75 फीसदी हिस्से पर तीन साल तक बेचने पर पाबंदी लगी हुई है। दोबारा पूंजीकरण की योजना से पहले निजी क्षेत्र का यह बैंक निफ्टी व बैंक निफ्टी सूचकांकों का हिस्सा हुआ करता था।

निफ्टी और बैंक निफ्टी इंडेक्स से इस शेयर को 18 फरवरी को निकाल दिया गया, लेकिन यह बदलाव 27 मार्च से प्रभावी हुआ। ऐसे में ईटीएफ ट्रैकरों को 26 मार्च तक शेयर बेचने की जरूरत थी।

लेकिन ट्रैकर ऐसा कर पाते, तीन साल की लॉक इन अवधि 13 मार्च, 2020 से प्रभावी हो गई और उन्हें येस बैंक के शेयर में निवेशित रहने पर बाध्य होना पड़ा जबकि येस बैंक निफ्टी व बैंक निफ्टी सूचकांकों का हिस्सा नहीं था।

पेरिस्कोप एनालिटिक्स के विश्लेषक ब्रायन फ्रिएटस ने कहा, हमारा अनुमान है कि इन ट्रैकरों के पास कम से कम 6.7 करोड़ शेयर हैं। ईटीएफ को उन शेयरों में निवेशित रहने की दरकार नहीं होती, जो उनके अंतर्निहित इंडेक्स का हिस्सा नहीं है।

एसबीआई ईटीएफ निफ्टी-50, कोटक निफ्टी बैंक ईटीएफ और निप्पॉन इंडिया ईटीएफ बैंक बीईईएस तीन अग्रणी ईटीएफ हैं, जिनके पास लॉक इन अवधि के चलते इसके शेयर हैं। यह देखना बाकी है कि ये फंड हाउस इसके साथ क्या व्यवहार करते हैं। मोटे तौर पर ऐसे मामलों में ईटीएफ अपने निवेश को बट्टे खाते में डाल देता है या साइड पॉकेट का सृजन करता है, अगर भविष्य में इससे कुछ मिलने की गुंजाइश हो।

बिकवाली का रहेगा दबाव

- **एसबीआई ईटीएफ निफ्टी-50, कोटक निफ्टी बैंक ईटीएफ और निप्पॉन इंडिया ईटीएफ बैंक बीईईएस तीन अग्रणी ईटीएफ हैं, जिनके पास लॉक इन अवधि के चलते इसके शेयर हैं**
- **विशेषज्ञों ने कहा, चूंकि येस बैंक के शेयर उनकी खरीद कीमत से करीब 70 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहे हैं, ऐसे में कुछ बैंक अपनी हिस्सेदारी आंशिक या पूरी तरह से बेचना चाहेंगे**

ईटीएफ के अलावा वैयक्तिक निवेशकों - खुदरा, एचएनआई व एनआरआई - के पास येस बैंक के 1.35 अरब शेयर हैं, जिन्हें बेचने पर अभी पाबंदी है। फ्रिएटस ने कहा, अगर वे अपने प्रतिबंधित शेयरों का महज 20 फीसदी हिस्सा बेचते हैं तो यह यह 5 दिन से ज्यादा का डिलिवरी वॉल्यूम होगा। येस बैंक का शेयर 16.9 रुपये पर बंद हुआ।

येस बैंक के बड़े शेयरधारकों में एसबीआई की अगुआई में आठ वित्तीय संस्थान हैं, जो मार्च 2020 में दोबारा पूंजीकरण की कवायद के समय सामने आए थे। उन्हें 10 रुपये प्रति शेयर के भाव पर शेयर आवंटित किए गए थे।

करीब 11 अरब शेयर यानी उनके शेयरों के तीन चौथाई हिस्से पर लॉक इन अवधि 13 मार्च को एक्सपायर हो रही है। कुछ लेनदार लॉक इन अवधि से अलग रहे 25 फीसदी हिस्से का निपटान पहले ही कर चुके हैं।

फ्रिएटस ने कहा, चूंकि येस बैंक के शेयर उनकी खरीद कीमत से करीब 70 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहे हैं, ऐसे में कुछ बैंक अपनी हिस्सेदारी आंशिक या पूरी तरह से बेचना चाहेंगे। अगर सभी बैंक अपनी हिस्सेदारी बेचते हैं तो यह करीब 11 अरब शेयर (18,590 करोड़ रुपये का) होगा।

बिकवाली का दबाव सामने आने के बावजूद पिछले एक महीने में इस शेयर ने अपनी मजबूत जमीन बरकरार रखने में कामयाबी हासिल की है। विशेषज्ञों ने कहा, चूंकि येस बैंक वायदा एवं विकल्प का हिस्सा नहीं है, ऐसे में इस शेयर में शॉर्ट सेलर की तरफ से पहले पोजीशन नहीं लिया गया है।

कॉरपोरेट प्रशासन में पीछे है भारतीय उद्योग जगत

खुशबू तिवारी
मुंबई, 7 मार्च

मौजूदा समय में शीर्ष-100 कंपनियों में से करीब 30 प्रतिशत के पास स्थायी बोर्ड सीटें हैं। इस व्यवस्था को बाजार नियामक ने सूचीबद्ध कंपनियों में कॉरपोरेट प्रशासन मजबूत बनाने के प्रयास में समाप्त करने की योजना बनाई है।

प्रस्तावित मानकों के तहत, कंपनियों को प्रत्येक बोर्ड सदस्य के लिए पांच साल में कम से कम एक बार शेयरधारक मंजूरी लेनी होगी। इस नीतिगत बदलाव का मकसद प्रवर्तकों द्वारा अपनी बड़ी शेयरधारिता समाप्त किए जाने के बाद भी नियंत्रण बरकरार रखे जाने को लेकर पैदा होने वाली चिंताएं दूर करना है।

सेबी के प्रस्तावित मानकों के तहत, कंपनियों को हरेक बोर्ड सीट के लिए पांच साल में कम से कम एक बार शेयरधारकों की मंजूरी लेनी होगी, जिससे कि प्रवर्तक अपनी बड़ी शेयरधारिता समाप्त होने के बाद भी नियंत्रण बरकरार रखने में सक्षम न हों

प्रमुख सलाहकार एजेंसी इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर एडवायजरी सर्विसेज (आईआईएएस) ने कॉरपोरेट प्रशासन के बारे में अपनी रिपोर्ट में कहा है, 'निवेशकों को प्रभावी बदलावों के अनुकूल ढालने के लिए संबद्ध निदेशक को हटाने की जरूरत होगी। यह किसी निदेशक की पुनः नियुक्ति के खिलाफ आसानी से वोटिंग करने के मुकाबले ज्यादा चुनौतीपूर्ण है।'

सिरिल अमरचंद मंगलदास में मैनेजिंग पार्टनर सिरिल श्रॉफ ने मुंबई में कॉरपोरेट प्रशासन के बारे में एक संबोधन में कहा, 'मौजूदा परिवेश (प्रवर्तक केंद्रत कंपनियों) में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है उत्तराधिकार प्रबंधन है।'

आईआईएएस रिपोर्ट के अनुसार, सिर्फ 47 प्रतिशत कंपनियों में निदेशक मंडल और वरिष्ठ नेतृत्व के लिए उत्तराधिकार योजना होती है। हालांकि यह स्तर 2021 के 34 प्रतिशत के मुकाबले सुधरा है।

रिपोर्ट में नए जमाने की कंपनियों से जुड़े नए मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

उदाहरण के लिए, गैर-प्रवर्तक केंद्रित कंपनियों में विशेष अधिकार खास निवेशकों को दिए जाते हैं, जो अन्य शेयरधारकों के हितों के प्रतिकूल हो सकते हैं। नए सूचीबद्ध स्टार्टअप में, आईपीओ से पहले निवेशकों के पास शेयरधारिता दायरे के बगैर बोर्ड नामांकन अधिकार होते हैं।

एजेंसियां जिस अन्य मुद्दे पर पारदर्शिता लाए जाने पर जोर दे रही हैं, वह है ऑडिट गुणवत्ता। 2022 में, सिर्फ 23 प्रतिशत बोर्डों ने वैधानिक लेखा परीक्षकों की स्वायत्तता, क्षमता और अनुभव के बारे में जानकारी मुहैया कराई। यह आंकड़ा 2021 में महज आठ प्रतिशत था।

भारतीय उद्योग जगत बोर्ड स्तर पर लैंगिक विविधता के मामले में भी पीछे है। बीएसई-100 में महिलाओं का बोर्ड प्रतिनिधित्व 31 दिसंबर तक करीब 16 प्रतिशत था। 80 प्रतिशत से ज्यादा कंपनियों के बोर्ड में 30 प्रतिशत से कम महिलाएं थीं।

एमटेक समूह की पूर्व इकाई की परिसंपत्तियां बेच रहे ऋणदाता

अभिजित लेले
मुंबई, 7 मार्च

ऋणदाता रेवेंट मेटलकास्ट लिमिटेड की परिसंपत्तियों, जिसमें भूखंड भी शामिल है, को एनसीएलटी के समाधान योजना के तहत बिक्री के लिए ला रहे हैं। यह पहले बीमारु एमटेक समूह की कास्टेक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड थी। बकाया वसूली के लिए यह सौदा छह महीने में पूरा होने की उम्मीद है। इन परिसंपत्तियों में भिवाड़ी (राजस्थान), गुरुग्राम, (हरियाणा) और नालागढ़ (हिमाचल प्रदेश) की जमीन शामिल है। बैंकिंग सूत्रों ने कहा कि कास्टेक्स टेक्नोलॉजीज की परिसंपत्तियों पर नजर रखने वाली समिति द्वारा नियुक्त प्रक्रिया परामर्शदाता अर्न्स्ट ऐंड यंग एलएलपी इस गतिविधि को देख रही है। इन परिसंपत्तियों और परिचालनगत परिसंपत्तियों को वर्ष 2022 में राष्ट्रीय कंपनी कानून पंचाट द्वारा मंजूर समाधान योजना के रूप में तैयार किया गया था। बैंकिंग सूत्रों ने कहा कि यह समाधान योजना वर्ष 2022 की शुरुआत में प्रभावी हो गई थी और बिक्री 18 महीनों में होनी चाहिए।

हालांकि कास्टेक्स का अधिग्रहण अमेरिका के निवेश फंड डीवीआई ने किया था, लेकिन वसूली के लिए उनकी बिक्री करने के लिए कुछ परिसंपत्तियों को ऋणदाताओं को स्थानांतरित कर दिया गया था। दिवाला और ऋणशोधन अक्षमता संहिता, 2016 के तहत एनसीएलटी द्वारा मंजूर समाधान योजना के आधार पर कास्टेक्स टेक्नोलॉजीज के इक्विटी शेयरों को शेयर बाजारों से हटा दिया गया था। समूह की पूर्व कंपनियों (एमटेक ऑटो व कास्टेक्स टेक) का अमेरिकी निवेश फंड डीवीआई द्वारा अधिग्रहण किए जाने के परिणामस्वरूप रेवेंट सामने आई थी।

एफपीआई ने की वित्तीय सेवा व टिकाऊ उपभोक्ता शेयरों में बिकवाली

फरवरी के दूसरे पखवाड़े में बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश के दो सबसे बड़े क्षेत्र से निकासी बताती है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली का रुख बरकरार है

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 7 मार्च

फरवरी के दूसरे पखवाड़े में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की तरफ से हुई बिकवाली में वित्तीय सेवा और टिकाऊ उपभोक्ता कंपनियों की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा रही। प्राइम इन्फोबेस के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने 2,263 करोड़ रुपये के वित्तीय शेयर बेचे जबकि उन्होंने 1,111 करोड़ रुपये के टिकाऊ उपभोक्ता शेयरों की बिकवाली की।

सूचना प्रौद्योगिकी (708 करोड़ रुपये की बिकवाली), धातु व खनन (694 करोड़ रुपये) और बिजली (497 करोड़ रुपये) अन्य क्षेत्र थे जहां विदेशी फंडों ने शेयर बेचे। दूसरी ओर एफपीआई ने सेवा फर्मों के 2,250 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे जबकि ऊर्जा कंपनियों के 1,290 करोड़ रुपये के शेयर और पूंजीगत सामान बनाने वाली फर्मों के 1,155 करोड़ रुपये के शेयरों की लिवाली की। कंस्ट्रक्शन मैटीरियल और कंस्ट्रक्शन के क्षेत्र में संचयी तौर पर करीब 700 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी हुई।

एफपीआई का रुख

- **प्राइम इन्फोबेस के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने 2,263 करोड़ रुपये के वित्तीय शेयर बेचे जबकि उन्होंने 1,111 करोड़ रुपये के टिकाऊ उपभोक्ता शेयरों की बिकवाली की**

फरवरी के आखिरी पखवाड़े में एफपीआई की बिकवाली कुल मिलाकर 486 करोड़ रुपये के आसपास रही।

फरवरी के दूसरे पखवाड़े में बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश के दो सबसे बड़े क्षेत्र वित्तीय व सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) से निकासी बताती है कि एफपीआई का बिकवाली का रुख बरकरार है।

इक्विनॉमिक्स के संस्थापक जी चोकालिंगम ने कहा, कुल मिलाकर विदेशी निवेशक अभी भी निवेश निकासी कर रहे हैं। आईटी व वित्तीय सेवा क्षेत्र ने उन्हें कुछ लाभ या नाममात्र के नुकसान के साथ निवेश निकासी का मौका दिया।

तेल व गैस क्षेत्र के शेयरों में खरीदारी की वजह चीन के बाजार के दोबारा खुलने की पृष्ठभूमि में मांग का सकारात्मक होना है। साथही भारतीय सेवा क्षेत्र के विस्तार ने एफपीआई को तेजी का रुख अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। एसऐंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स जनवरी के 57.2 से बढ़कर फरवरी में 59.4 पर पहुंच गया, जो फरवरी 2011 के बाद का सर्वोच्च स्तर है।

बिकवाली के बावजूद फरवरी के आखिर में सबसे ज्यादा 33.81 फीसदी क्षेत्रीय आवंटन वित्तीय सेवा क्षेत्र में हुआ, जो पहले 33.77 फीसदी था।

एफपीआई के ज्यादा आवंटन वाले अन्य क्षेत्र थे आईटी (आवंटन 11.57 फीसदी) और तेल व गैस (10.20 फीसदी)।

(THIS IS ONLY AN ADVERTISEMENT FOR INFORMATION PURPOSES AND NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT)

Aurel
Forever Yours!

AMANAYA VENTURES LIMITED

CIN: U51101PB2009PLC032640

Our Company was originally incorporated as Amanaya Financial Services Private Limited on February 27, 2009 under the Companies Act, 1956 vide certificate of incorporation issued by the Deputy Registrar of Companies, Punjab, Himachal Pradesh, and Chandigarh. Subsequently the name of the company was changed from "Amanaya Financial Services Private Limited" to "Amanaya Ventures Private Limited" under the Companies Act, 2013 pursuant to a special resolution passed by our shareholders at the Extraordinary General Meeting held on September 14, 2015 and had obtained fresh certificate of incorporation dated September 16, 2015 issued by the Assistant Registrar of Companies, Chandigarh. Subsequently, our Company was converted into a Public Limited Company pursuant to Special Resolution passed by the shareholders at the Extraordinary General Meeting dated October 09, 2015 and the name of our Company was changed to "Amanaya Ventures Limited" to reflect the legal status of our Company pursuant to conversion, a fresh certificate of incorporation was granted by the Assistant Registrar of Companies, Chandigarh, dated October 15, 2015. For details pertaining to the changes of name of our company and change in the registered office, please refer to the chapter titled 'History and Certain Corporate Matters' beginning on page no. 116 of this Prospectus.

Registered Office: 69-70, First Floor, Deep Complex, Court Road, Amritsar-143001, Punjab, India; **Tel. No.:** +91 9914997607; **Email:** info@amanaya.in; **Website:** www.amanaya.in;
Contact Person: Mrs. Gurpreet Kaur, Company Secretary & Compliance Officer

PROMOTERS OF OUR COMPANY: MR. MANAN MAHAJAN

BASIS OF ALLOTMENT

INITIAL PUBLIC ISSUE OF 12,00,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF RS. 10/- EACH ("EQUITY SHARES") OF AMANAYA VENTURES LIMITED ("OUR COMPANY" OR "THE ISSUER COMPANY") FOR CASH AT A PRICE RS. 23/- PER EQUITY SHARE (INCLUDING A SHARE PREMIUM OF RS. 13/- PER EQUITY SHARE) ("ISSUE PRICE") AGGREGATING TO RS. 276.00 LAKHS ("THE ISSUE"), OUT OF WHICH 60,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF RS. 10/- EACH FOR A CASH PRICE OF RS. 23/- PER EQUITY SHARE, AGGREGATING TO RS. 13.80 LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER ("MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS THE MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. ISSUE OF 11,40,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF RS. 10/- EACH AT AN ISSUE PRICE OF RS. 23/- PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO RS. 262.20 LAKHS (IS HEREINAFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE"). THE ISSUE AND THE NET ISSUE WILL CONSTITUTE 32.09% AND 30.49%, RESPECTIVELY OF THE POST ISSUE PAID UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY. FOR FURTHER DETAILS, PLEASE REFER TO SECTION TITLED "TERMS OF THE ISSUE" BEGINNING ON PAGE NO. 201 OF THE PROSPECTUS.

As per Regulation 253(2) of the SEBI (ICDR) Regulations, as amended, as present issue is a fixed price issue 'the Allocation' is the net issue to the public category shall be made as follows:

a. Minimum fifty percent(50%) To Retail Individual Investors; and
b. Remaining to:
(i) Other investors including corporate bodies or institutions, irrespective of the number of specified securities applied for;
c. The unsubscribed portion in either of the categories specified in (a) or (b) above may be allocated to the applicants in the other category.

If the retail individual investor category is entitled to more than fifty per cent on proportionate basis, accordingly the retail individual investors shall be allocated that higher percentage.

THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES IS RS. 10.00 EACH AND THE ISSUE PRICE OF RS. 23.00 IS 2.3 TIMES OF THE FACE VALUE

ISSUE OPENED ON: FEBRUARY 24, 2023; FRIDAY; ISSUE CLOSED ON: FEBRUARY 28, 2023; TUESDAY

The Equity Shares of the Company are proposed to be listed on theSME Platform of BSE Limited (**"BSE"**) in terms of the Chapter IX of the SEBI (ICDR) Regulations, 2018 as amended from time to time. Our Company has received the In-Principal approval letter dated January 13, 2023 from BSE for using its name in the offer document for listing of our shares on the SME Platform of **BSE**. For the purpose of the Issue, the Designated Stock Exchange will be BSE. The trading is proposed to be commenced on March 09, 2023, Thursday (Subject to the receipt of listing and trading approval from the BSE).

Notice to Investors: 57393 equity shares aggregating to 1.53% of our post issue capital has been dematerialized on February 10, 2023 and the said shares are locked in for 1 years w.e.f. 10/02/2023 are held in unclaimed suspense demat account held with DP:NIKUNJ STOCK BROKERS LIMITED[IN302994]. Further, 41596 equity shares in physical form have been locked in for 1 year w.e.f. 25/02/2023.

SUBSCRIPTION DETAILS

As per the Final certificates issued by the SCSB's, Syndicate ASBA & UPI, 273 applications for 19,86,000 Equity Shares have been received and the amount collected/blocked is Rs. 4,56,78,000 resulting in 1.62 times subscription (including reserved portion of market maker). The details of the applications received in the issue (before technical rejections) are as follows:

Detail of the Applications Received (Before Technical Rejection):

Category	Number of Application(s)	% to Total	Number of Equity Shares	% to Total	Subscription (Times)	Shares as per Prospectus
Market Maker	1	0.37	60,000	3.02	1	60,000
Other than Retail Individual Investors	14	5.13	3,78,000	19.03	0.66	5,70,000
Retail Individual Investors	258	94.51	15,48,000	77.95	2.72	5,70,000
Total	**273**	**100.00**	**19,86,000**	**100.00**	**1.62**	**12,00,000**

The details of applications rejected by the Registrar on technical grounds (including withdrawal) are detailed below:

Category	No. of Applications	No. of Equity Shares
Market Maker	-	-
Retail Individual Investors	7	42,000
Other than Retail Individual Investors	-	-
Total	**7**	**42,000**

After eliminating technically rejected applications, the following tables give us category wise net valid applications and allotment:

Category	Number of Applications	% to Total	No. of Valid Shares applied	Issue Size (as per Prospectus)	No. of Application Allotted	No. of Shares Allotted	% of Total Allotted	Subscription (Times) in relation to Valid Bids	Revised Subscription (Times) in relation to Shares Allotted
Market Maker	1	0.38	60,000	60,000	1	60000	5.00	0.66	1.00
Other than Retail Individual Investor's	14	5.26	3,78,000	5,70,000	14	228000	19.00	2.64	1.66
Retail Individual Investor's	251	94.36	15,06,000	5,70,000	152	9,12,000	76.00	1.00	1.65
Total	**266**	**100.00**	**19,44,000**	**12,00,000**	**167**	**12,00,000**	**100.00**	**1.62**	**1.62**

ALLOCATION: The Basis of Allotment was finalized in consultation with the Designated Stock Exchange – BSE on Friday; March 03, 2023

A. Allocation to Market Maker (After Technical Rejections & Withdrawal): The Basis of Allotment to the Market Maker, at the issue price of Rs. 23.00 per Equity Share, was finalised in consultation with BSE. The category was subscribed by 1.00 times. The total number of shares allotted in this category is 60,000 Equity shares.

B. Allocation to Retail Individual Investors (After Technical Rejections & Withdrawal): The Basis of Allotment to the Retail Individual Investors, at the issue price of Rs 23.00 per Equity Share, was finalized in consultation with BSE. The category was subscribed by 2.64 times i.e., for 15,06,000 Equity Shares. Total number of shares allotted in this category is 2,28,000 Equity Shares to 14 successful applicants.

The category wise details of the Basis of Allotment are as under:

No. of Shares Applied for (Category wise)	No. Of Applications received	% to total	Total No. of Equity Shares applied in this Category	% of total	Proportionate Shares Available	Allocation per Applicant (Before Rounding Off)	Allocation per Applicant (After Rounding Off)	Ratio of Allottee's to Applicant: Ratio 1	Ratio of Allottee's to Applicant: Ratio 2	Number of Successful applicants (after rounding off)	Total No. of Equity Shares allocated/ allotted	No. of Shares Surplus/ Deficit
6,000	251	100.00	15,06,000	100.00	9,12,000	3633.47	6,000	152	251	152	9,12,000	0

C. Allocation to Other than Retail Individual Investors (After Technical Rejections & Withdrawal): The Basis of Allotment to Other than Retail Individual Investors, at the issue price of Rs.23 per Equity Share, was finalized in consultation with BSE. The category was subscribed by 1.66 times i.e., for 11,34,000 shares. The total number of shares allotted in this category is 2,28,000 Equity Shares to 14 successful applicants.

The category wise details of the Basis of Allotment are as under:

No. of Shares Applied for (Category wise)	No. Of Applications received	% to total	Total No. of Equity Shares applied in this Category	% of total	Proportionate Shares Available	Allocation per Applicant (Before Rounding Off)	Allocation per Applicant (After Rounding Off)	Ratio of Allottee's to Applicant: Ratio 1	Ratio of Allottee's to Applicant: Ratio 2	Number of Successful applicants (after rounding off)	Total No. of Equity Shares allocated/ allotted	No. of Shares Surplus/ Deficit
12,000	2	14.29	24,000	6.35	14,476	7238.10	6,000	1	1	2	12,000	2,476
18000	8	57.14	1,44,000	38.10	86857	10857.14	12,000	1	1	8	96,000	-9,143
30,000	1	7.14	30,000	7.94	18,095	18095.24	18,000	1	1	1	18,000	95
42,000	1	7.14	42,000	11.11	25,333	25333.33	24,000	1	1	1	24,000	1,333
54000	1	7.14	54,000	14.29	32571	32571.43	30,000	1	1	1	30,000	2,571
84,000	1	7.14	84,000	22.22	50,667	50667.67	48,000	1	1	1	48,000	2,667
Grand Total	**14**	**100.00**	**3,78,000**	**100.00**	**2,27,999**					**14**	**2,28,000**	

The Board of Directors of the Company at its meeting held on March 03, 2023 has taken on record the Basis of Allocation of Equity Shares approved by the Designated Stock Exchange viz. BSE and has authorized the corporate action for the transfer of the Equity Shares to various successful applicants.

The Refund/allotment intimation will be dispatched to the address of the Applicants as registered with the depositories on or before March 06, 2023. Further, the instructions to Self Certified Syndicate Banks for unblocking the amount will be processed on or before March 06, 2023.The Equity Shares allocated to successful applicants are being credited to their beneficiary accounts subject to validation of the account details with the depositories concerned. In case the same is not received within prescribed time line, investors may contact at the address given below. The Company is taking steps to get the Equity Shares admitted for trading on the SMEPlatform of BSE Limited within six working days from the date of the closure of the Issue.

Note: All capitalized terms used and not defined herein shall have the respective meaning assigned to them in the Prospectus dated February 10, 2023 ("Prospectus").

INVESTORS PLEASE NOTE

The details of the allotment made would also be hosted on the website of the Registrar to the Issue- BEETAL FINANCIAL & COMPUTER SERVICES PRIVATE LIMITED at www.beetalfinancial.com. All future correspondence in this regard may kindly be addressed to the Registrar to the Issue quoting full name of the First/Sole applicants, serial number of the Application Form, number of shares applied for and Bank Branch where the application had been lodged and payment details at the address of the Registrar given below:

BEETAL

BEETAL FINANCIAL & COMPUTER SERVICES PRIVATE LIMITED
Beetal House, 3rd Floor, 99, Madangir, Behind Local Shopping Centre, New Delhi-110062, India
Tel. No.: 011-29961281-83/26051061/26051064 **Fax No:** 011-29961284
Email: beetal@beetalfinancial.com / beetalrta@gmail.com **Investor Grievance Email:** investor@beetalfinancial.com
Website: www.beetalfinancial.com **Contact Person:** Mr. Punit Mittal **SEBI Registration No.:** INR000000262

FOR Amanaya Ventures Limited
On behalf of the Board of Directors
Sd/-
Rajni Mahajan
Managing Director

Place: Amritsar
Date: March 06, 2023

The Level of Subscription should not be taken to be indicative of either the market price of the Equity Share on Listing or the business prospects of Amanaya Ventures Limited.

The Equity Shares have not been and will not be registered under the US Securities Act (the "Securities Act") or any state securities law in United States and may not be Issued or sold within the United States or to, or for the account or benefit of, "U.S. persons" (as defined in the Regulations under the Securities Act), except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to the registration requirements of the Securities Act of 1933.

Communicate India